EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The cover story examines the promise of 6G and how the next generation of wireless technology will go beyond faster speeds to integrate artificial intelligence, cloud computing, fibre infrastructure and intelligent networks. While commercial deployment may still be some years away, the groundwork being laid today will influence the future of digital services across industries.

Equally important is the role of India's cable TV and broadband providers in building the nation's digital backbone. In an insightful interaction, Arun Raj, General Manager & Head of Content & Legal at Asianet Satellite Communications Ltd., discusses how network operators can remain relevant as demand shifts from traditional television services to high-speed broadband and digital connectivity.

Transformation is already underway. Kerala Vision's remarkable journey illustrates how diversification beyond conventional cable television, backed by collaboration and innovation, can create a resilient and future-ready business. We also examine the growing momentum behind satellite broadband, with Jio's plans signalling a major step towards extending high-speed internet to underserved regions, opening fresh opportunities for service providers.

At the same time, the industry's economic realities cannot be ignored. Shrinking pay TV margins, declining subscriber numbers and mounting content costs continue to place immense pressure on distribution businesses. Reinvention is no longer a strategic choice,it has become a business imperative.

As the industry embraces a more connected future, success will belong to organisations that innovate, diversify and collaborate. The opportunities are significant, and so is the responsibility to build a stronger, more inclusive digital ecosystem for India.

.

(Manoj Kumar Madhavan)

इस अंक के कवर स्टोरी में 6 जी की संभावनाओं और इस बात पर चर्चा की गयी है कि कैसे वायरलेस तकनीकी की अगली पीढ़ी तेज स्पीड से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंट नेटवर्क को एकसाथ लायेगी। हालांकि वाणिज्यिक तौर पर इसे लागू करने में कुछ साल लग सकते हैं, लेकिन आज जो भी तैयारी की जा रही है, वह अलग-अलग उद्योग में डिजिटल सेवाओं के भविष्य पर असर डालेगी।

देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाने में भारत के केबल टीवी और ब्रॉडबैंड प्रदायकों की भूमिका भी उतनी ही अहम रही है। एक दिलचस्प बातचीत में, एशियानेट सैटेलाइट कम्युनिकेशन्स लिमिटेड. के जनरल मैनेजर और कंटेंट व लीगल हेड अरूण राज बताते हैं कि कैसे नेटवर्क ऑपरेटर्स तब भी प्रासंगिक बने रह सकते हैं जब लोगों की पसंद पारंपरिक टेलीविजन सेवाओं से हटकर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और डिजिटल कनेक्टिविटी की ओर बढ़ रही है।

बदलाव पहले से ही हो रहा है। केरल विजन का शानदार सफर दिखाता है कि कैसे पारंपरिक केबल टीवी से हटकर अलग-अलग तरह की सेवायें शुरू करने, और साथ मिलकर काम करने व नयी सोच अपनाने से एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बिजनेस बनाया जा सकता है। हम सैटेलाइट ब्रॉडबैंड की बढ़ती लोकप्रियता पर भी नजर डाल रहे हैं, जियो की योजनाओं से पता चलता है कि कम सुविधाओं वाले इलाकों तक हाई स्पीड इंटरनेट पहुंचाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है, जिससे सेवा प्रदायकों के लिए नये मौके खुलेंगे।

साथ ही, उद्योग की आर्थिक सच्चाईयों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पे टीवी से होने वाली कमायी में कमी, सब्सक्राइबर्स की घटती संख्या और कंटेंट की बढ़ती लागत का वितरण व्यवसाय पर भारी दबाव बना हुआ है। अब नये सिरे से बदलाव करना सिर्फ एक रणनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि बिजनेस की जरूरत बन गयी है।

जैसे-जैसे उद्योग एक ज्यादा कनेक्टेड भविष्य की ओर बढ़ रही, सफलता उन संगठनों को मिलेगी जो इनोवेशन करेंगे, अपने काम का दायरा बढ़ायेंगे और मिलकर काम करेंगे। इसमें बड़े मौके हैं, और साथ ही भारत के लिए एक मजबूत और समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम बनाने की जिम्मेदारी भी है।

(Manoj Kumar Madhavan)